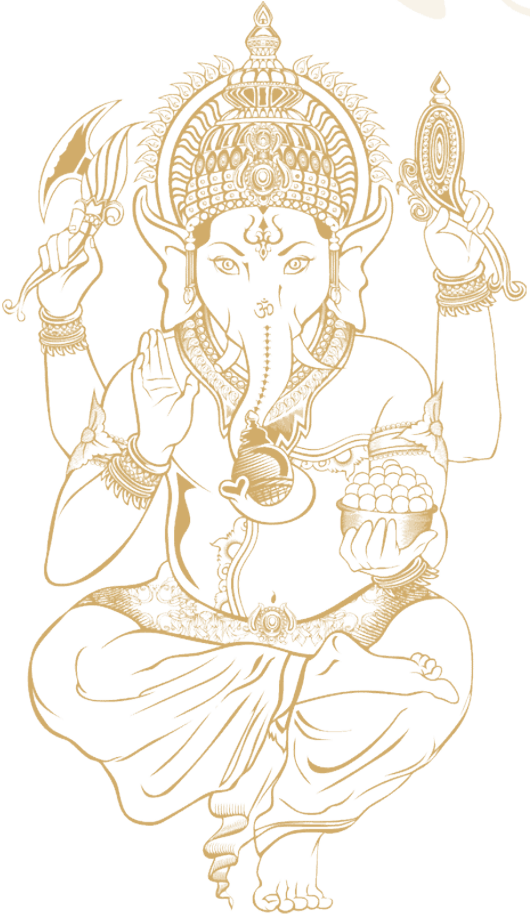

A

24 Jan 1996

04:58 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121753705

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 24/01/1996**
दिन	: बुधवार
जन्म समय	**: 16:58:00 घंटे**
इष्ट	: 24:21:19 घटी
स्थान	**: Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 16:36:52 घंटे
वेलान्तर	: -00:11:55 घंटे
साम्पातिक काल	: 00:49:11 घंटे
सूर्योदय	: 07:13:28 घंटे
सूर्यास्त	: 17:52:55 घंटे
दिनमान	: 10:39:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शिशिर
सूर्य के अंश	: 09:57:11 मकर
लग्न के अंश	: 29:05:42 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**: मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: शिव
करण	: बव
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: सर्प
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: दू-दूती
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:05:42	309:11:43	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			मक	09:57:11	01:01:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	03:49:20	13:47:43	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल		अ	मक	18:47:41	00:47:21	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध	व		धनु	27:49:51	00:51:45	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
गुरु			धनु	10:52:18	00:12:50	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	17:28:44	01:12:34	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मित्र राशि
शनि			कुंभ	27:32:11	00:05:48	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		कन्या	26:33:28	00:02:49	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	26:33:28	00:02:49	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:54:42	00:03:32	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:45:36	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	08:48:58	00:01:24	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	19:33:29	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:15

लग्न-चलित

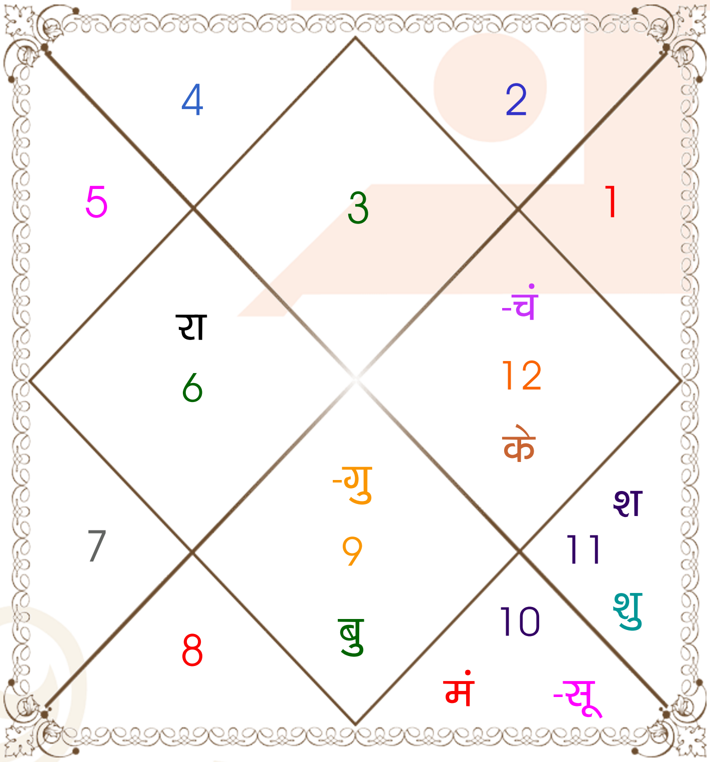

चन्द्र कुंडली

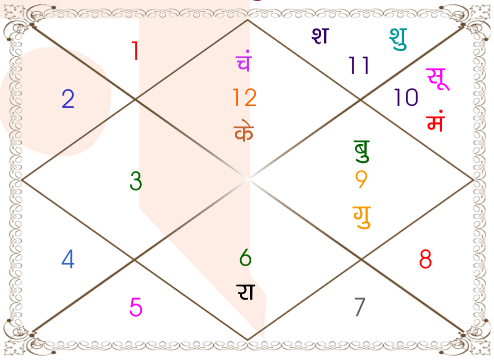

नवमांश कुंडली

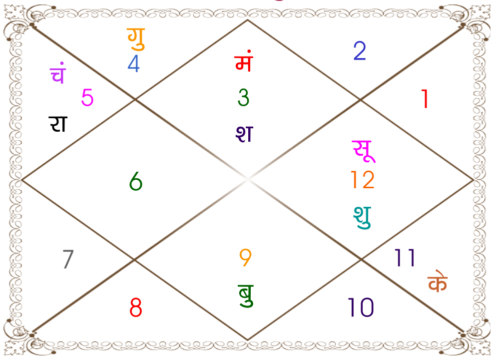

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 3 मास 19 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
24/01/1996	**15/05/2014**	**15/05/2031**	**15/05/2038**	**15/05/2058**
15/05/2014	**15/05/2031**	**15/05/2038**	**15/05/2058**	**14/05/2064**
शनि 18/05/1998	बुध 10/10/2016	केतु 11/10/2031	शुक्र 13/09/2041	सूर्य 01/09/2058
बुध 25/01/2001	केतु 07/10/2017	शुक्र 10/12/2032	सूर्य 13/09/2042	चंद्र 03/03/2059
केतु 06/03/2002	शुक्र 07/08/2020	सूर्य 17/04/2033	चंद्र 14/05/2044	मंगल 09/07/2059
शुक्र 05/05/2005	सूर्य 14/06/2021	चंद्र 16/11/2033	मंगल 14/07/2045	राहु 01/06/2060
सूर्य 17/04/2006	चंद्र 13/11/2022	मंगल 14/04/2034	राहु 14/07/2048	गुरु 20/03/2061
चंद्र 16/11/2007	मंगल 10/11/2023	राहु 03/05/2035	गुरु 15/03/2051	शनि 02/03/2062
मंगल 25/12/2008	राहु 30/05/2026	गुरु 08/04/2036	शनि 15/05/2054	बुध 07/01/2063
राहु 01/11/2011	गुरु 04/09/2028	शनि 17/05/2037	बुध 14/03/2057	केतु 15/05/2063
गुरु 15/05/2014	शनि 15/05/2031	बुध 15/05/2038	केतु 15/05/2058	शुक्र 14/05/2064

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
14/05/2064	**15/05/2074**	**14/05/2081**	**15/05/2099**	**16/05/2115**
15/05/2074	**14/05/2081**	**15/05/2099**	**16/05/2115**	**00/00/0000**
चंद्र 14/03/2065	मंगल 11/10/2074	राहु 25/01/2084	गुरु 03/07/2101	शनि 25/01/2116
मंगल 13/10/2065	राहु 29/10/2075	गुरु 20/06/2086	शनि 14/01/2104	00/00/0000
राहु 14/04/2067	गुरु 04/10/2076	शनि 26/04/2089	बुध 21/04/2106	00/00/0000
गुरु 13/08/2068	शनि 13/11/2077	बुध 13/11/2091	केतु 28/03/2107	00/00/0000
शनि 15/03/2070	बुध 10/11/2078	केतु 01/12/2092	शुक्र 26/11/2109	00/00/0000
बुध 14/08/2071	केतु 08/04/2079	शुक्र 02/12/2095	सूर्य 14/09/2110	00/00/0000
केतु 14/03/2072	शुक्र 07/06/2080	सूर्य 25/10/2096	चंद्र 14/01/2112	00/00/0000
शुक्र 13/11/2073	सूर्य 13/10/2080	चंद्र 26/04/2098	मंगल 20/12/2112	00/00/0000
सूर्य 15/05/2074	चंद्र 14/05/2081	मंगल 15/05/2099	राहु 16/05/2115	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 3 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली महिला हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगी। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकती हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली महिला होंगी।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाती है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाली नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करती। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करती हैं। आप कुशग्र बुद्धि की चालाक महिला हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगी।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगी। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकती हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगी वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगी।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकती हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि की प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकती हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबी, दुबली आकृति की, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध महिला हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित पुरुषों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगी।

आप ऐसा नही चाहेंगी कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपने पति एवं संतान को प्यार करती हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहती हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहती हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।